भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 3603

दिनांक 21 मार्च, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

वैश्विक हेपेटाइटिस रिपोर्ट 2024

3603. श्री जिया उर रहमानः

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की वैश्विक हेपेटाइटिस रिपोर्ट 2024 का संज्ञान लिया है, जिसमें कहा गया है कि हेपेटाइटिस बी और सी के मामलों में 3.5 करोड़ संक्रमण के मामलों के साथ भारत विश्व स्तर पर दूसरे स्थान पर है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ख) सरकार द्वारा इस बात को ध्यान में रखते हुए कि उक्त रैंकिंग हेपेटाइटिस द्वारा उत्पन्न महत्वपूर्ण स्वास्थ्य चुनौतियों और सार्वजनिक स्वास्थ्य हस्तक्षेपों की आवश्यकता को उजागर करती है, क्या निवारक कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का प्रस्ताव है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क): विश्व स्वास्थ्य संगठन की वैश्विक स्वास्थ्य रिपोर्ट 2024 का आंकड़ा मॉडलिंग पर आधारित है और वास्तविक निगरानी आंकडे़ नहीं हैं। राष्ट्रीय वायरल हेपेटाइटिस नियंत्रण कार्यक्रम (एनवीएचसीपी), राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अंतर्गत राष्ट्रीय वायरल हेपेटाइटिस निगरानी कार्यक्रम के तहत निर्मित 2023 सीरोप्रेवलेंस रिपोर्ट के अनुसार, हेपेटाइटिस बी और सी का सीरोप्रिवलेंस क्रमशः 0.85% (95% सीआई 0.85-0.86) और 0.29% (95% सीआई 0.29 - 0.30) पाया गया है। तदनुसार, हेपेटाइटिस बी और सी से संक्रमित संभावित व्यक्तियों की अनुमानित संख्या 1.38 करोड़ है।

(ख): भारत सरकार (जीओआई) राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तत्वावधान में वर्ष 2018 से राष्ट्रीय वायरल हेपेटाइटिस नियंत्रण कार्यक्रम (एनवीएचसीपी) कार्यान्वित कर रही है जो हेपेटाइटिस सी, ए और ई के लिए नैदानिक और उपचार सेवाएं प्रदान कर रही है। वर्ष 2019 में हेपेटाइटिस बी के निदान और प्रबंधन को शामिल करने के लिए इस कार्यक्रम के दायरे का विस्तार किया गया था। हेपेटाइटिस बी टीके से रोकथाम योग्य रोग है और यह कार्यक्रम हेपेटाइटिस बी जन्म के समय खुराक टीका और हेपेटाइटिस बी पॉजिटिव माताओं से पैदा होने वाले बच्चों को हेपेटाइटिस बी इम्युनोग्लोबुलिन देने की सुविधा प्रदान करता है।

एनवीएचसीपी में जागरूकता पैदा करने और व्यवहार परिवर्तन सम्प्रेषण के माध्यम से वायरल हिपेटाइटिस की रोकथाम की परिकल्पना की गई है। नामोद्दिष्ट सरकारी स्वास्थ्य सुविधा केन्द्रों में एनवीएचसीपी के तहत सभी नैदानिक और उपचार सेवाएं नि:शुल्क प्रदान की जाती हैं।

****